भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5173

सोमवार, 4 अप्रैल, 2022/14 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

वन्यजीव और वन पर्यटन

5173. श्री सदाशिव किसान लोखंडेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में वन्य जीवन एवं वन पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं; और

(ख) यदि हां, तो देश के विभिन्न राज्यों में पर्यटन की संभावनाओं का दोहन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): जी, हाँ महोदय। देश में वन्यजीव तथा वन पर्यटन की असीम सम्भावनाएं विद्यमान हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन, थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास योजना के अंतर्गत विकास हेतु पन्द्रह थीमेटिक परिपथों में वन्यजीव तथा ईको परिपथों को भी अभिज्ञात किया है। विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में स्वदेश दर्शन योजना के ईको और वन्यजीव परिपथों के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

उपरोक्त योजना के अंतर्गत विकास हेतु अभिज्ञात परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने (i) स्थायी पर्यटन और (ii) ईको पर्यटन एवं एडवेंचर पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति एवं रोडमैप के प्रारूप भी तैयार किए हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने यह सूचित किया है कि उन्होंने वन एवं वन्यजीव क्षेत्रों में स्थायी ईको पर्यटन के लिए सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को दिशा-निर्देश-2021 जारी किए हैं।

****

अनुबंध

वन्यजीव और वन पर्यटन के सम्बन्ध में दिनांक 04.04.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 5173 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

देश में स्वदेश दर्शन योजना के ईको तथा वन्यजीव परिपथों के अन्तर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

ईको परिपथ

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	उत्तराखंड	2015-16	टिहरी-चंबा- सरैन में -टिहरी झील के आसपास परिपथ का विकास	69.17	65.71
2.	तेलंगाना	2015-16	महबूबनगर जिले में (सोमाशिला, सिंगोतम, कदलीवनम, अक्कामहादेवी, ईगलानपंटा, फ़रहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेतीर्थम) परिपथ का विकास	91.62	87.04
3.	केरल	2015-16	पठानमथिट्टा - गवी-वागमोन- थेक्कडी का विकास	76.55	61.24
4.	मिजोरम	2016-17	एज़वाल -रावपुइछिप -कॉवफवप- लेंगपुई - डर्टलैंग -चेतलांग- में सकरावुमटुआइट्लंग -मूथी - बेरतलॉन्ग -तुरियल एयरफ़ील्ड-मूईफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37	49.53
5.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ाघाट- बाणसागर बांध- केन नदी का विकास	94.61	79.70
6.	झारखंड	2018-19	डालमा - चांडिल- गेतलसुद- बेतला राष्ट्रीय उद्यान- मिरचैया-नेतरहाट का विकास ।	52.72	15.07
				451.04	**358.29**

वन्यजीव परिपथ

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
	मध्य प्रदेश	2015-16	पन्ना- मुकुंदपुर -संजय-डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की- पेंच में परिपथ का विकास।	92.22	81.15
	असम	2015-16	मानस-पोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-साइखोवा का विकास	94.68	89.94
			कुल	**186.9**	**171.09**

****